CURRENT AFFAIRS

NEWS FOR UPSC

UPSC, IAS/PCS

State Exam

All Exam

10 Jan. 2025

ABHAY SIR

Result Mitra

Result Mitra

Quotes of the Day

"ज्ञान सबसे बड़ा धन है, इसे कभी व्यर्थ
न जाने दें।"

Result Mitra

- Topic 1:– तिरुपति मंदिर (जिसे तिरुमला वेंकटेश्वर मंदिर)
- Topic 2:– जीनोम इंडिया प्रोजेक्ट भारत सरकार की एक महत्वाकांक्षी पहल
- Topic 3:– सुप्रीम कोर्ट ने दिया रिहाई का आदेश (जबकि राष्ट्रपति ने मौत की सजा को 60 साल की कैद में बदला था।)
- Topic 4 :– Supreme Court में समलैंगिक विवाह पर दाखिल समीक्षा याचिकाएं खारिज
- Topic 5 :– प्रधान मंत्री उज्ज्वला योजना(PMUY) की उपलब्धियां

तिरुपति मंदिर (जिसे तिरुमला वेंकटेश्वर मंदिर)
Result Mitra

❖ तिरुपति मंदिर, जिसे तिरुमला वेंकटेश्वर मंदिर भी कहा जाता है, आंध्र प्रदेश के चित्तूर जिले के तिरुमला पहाड़ियों पर स्थित है। यह मंदिर भगवान श्री वेंकटेश्वर (भगवान विष्णु का अवतार) को समर्पित है और इसे बालाजी या गोविंदा के नाम से भी जाना जाता है। यह मंदिर हिंदू धर्म के सबसे पवित्र और प्रतिष्ठित धार्मिक स्थलों में से एक है।

❖ मुख्य विशेषताएं:

1. स्थान:

❖ यह मंदिर तिरुपति शहर से लगभग 22 किलोमीटर की दूरी पर तिरुमला पहाड़ियों पर स्थित है।

❖ तिरुमला सात पहाड़ियों पर स्थित है, जिन्हें शेषाचलम पहाड़ियां कहा जाता है।

❖ इन्हें सात फन वाले नाग "शेषनाग" का प्रतीक माना जाता है।

2. देवता:

❖ भगवान वेंकटेश्वर, जिन्हें "कलियुग के भगवान" कहा जाता है, की पूजा यहाँ मुख्य देवता के रूप में होती है।

❖ यह विश्वास है कि भगवान वेंकटेश्वर इस स्थान पर कलियुग में मानवता के उद्धार के लिए प्रकट हुए।

3. तिरुपति लड्डू:

❖ यह प्रसाद मंदिर का सबसे प्रसिद्ध और पवित्र प्रसाद है।

❖ इसे जीआई (भौगोलिक संकेतक) टैग प्राप्त हुआ है, जो इसकी अनूठी पहचान को दर्शाता है।

4. सप्तगिरिः

❖ तिरुपति को "सप्तगिरि" (सात पहाड़ियों का स्थान) के रूप में जाना जाता है, जिनके नाम हैं:

❖ 1. शेषाद्रि
❖ 2. नीलाद्रि
❖ 3. गरुडाद्रि
❖ 4. अंजनाद्रि
❖ 5. वृषभाद्रि
❖ 6. नारायणाद्रि
❖ 7. वेंकटाद्रि (जहाँ मुख्य मंदिर स्थित है)

Result Mitra

Result Mitra

❖ ऐतिहासिक महत्व:

- ❖ मंदिर का इतिहास लगभग 8वीं शताब्दी तक जाता है।
- ❖ इसे चोल, पल्लव और विजयनगर साम्राज्य के शासकों द्वारा संरक्षण और समर्थन प्राप्त हुआ।
- ❖ विजयनगर साम्राज्य के राजा कृष्णदेवराय ने मंदिर को व्यापक दान और वास्तुशिल्पीय योगदान दिया।

❖ वास्तुकला:

- ❖ यह मंदिर द्रविड़ शैली में निर्मित है।
- ❖ मंदिर का गोल्डन गोपुरम (स्वर्ण शिखर) विशेष आकर्षण है।
- ❖ गर्भगृह में भगवान वेंकटेश्वर की मूर्ति खड़ी मुद्रा में है और इसे काले ग्रेनाइट से बनाया गया है।

Result Mitra

❖ दर्शन और त्यौहार:

❖ 1. सरकारी संचालन:

❖ तिरुपति मंदिर का प्रबंधन तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (TTD) नामक न्यास द्वारा किया जाता है।

❖ 2. ब्रह्मोत्सव:

❖ यह तिरुपति का सबसे बड़ा वार्षिक त्यौहार है, जिसमें लाखों श्रद्धालु भाग लेते हैं

❖ 3. दैनिक दर्शन:

❖ हर दिन हजारों श्रद्धालु भगवान के दर्शन के लिए आते हैं।

❖ मंदिर 24 घंटे खुला रहता है, और दर्शन की प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने के लिए विशेष प्रणाली लागू की गई है।

❖ आर्थिक योगदान:

❖ तिरुपति मंदिर को विश्व के सबसे धनी धार्मिक स्थलों में से एक माना जाता है।

❖ भक्तों द्वारा सोने, चांदी और धन का भारी मात्रा में दान दिया जाता है।

❖ तिरुपति मंदिर न केवल एक धार्मिक स्थल है, बल्कि इसकी प्राचीनता, भव्यता और परंपरा इसे भारत की सांस्कृतिक और धार्मिक धरोहर का प्रतीक बनाती है।

Result Mitra
जीनोम इंडिया प्रोजेक्ट भारत सरकार की
एक महत्वाकांक्षी पहल

❖ जीनोम इंडिया प्रोजेक्ट भारत सरकार की एक महत्वाकांक्षी पहल है, जिसका उद्देश्य भारतीय आबादी के विभिन्न समूहों का जीनोम डेटा अनुक्रमित (sequence) और विश्लेषण करना है।

❖ यह परियोजना भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (IISER) और अन्य प्रमुख संस्थानों के सहयोग से जैव प्रौद्योगिकी विभाग (DBT) द्वारा संचालित है।

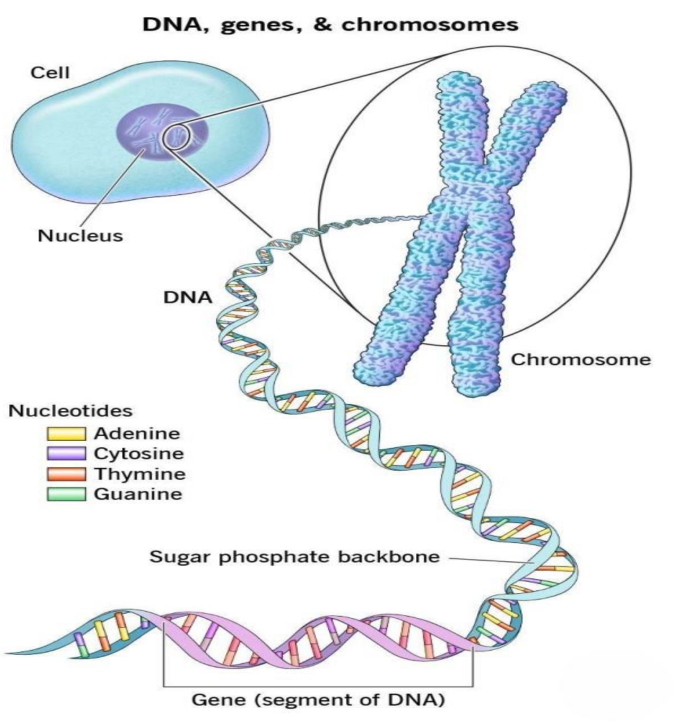

❖ **मुख्य उद्देश्य:**

1. आनुवंशिक विविधता को समझना:

❖ भारतीय आबादी दुनिया की सबसे विविधतापूर्ण आबादी में से एक है। यह प्रोजेक्ट भारत के विभिन्न जातीय, भौगोलिक और सांस्कृतिक समूहों की आनुवंशिक संरचना का अध्ययन करेगा।

2. स्वास्थ्य और चिकित्सा में योगदान:

❖ जीनोम डेटा का उपयोग करके व्यक्तिगत और सटीक चिकित्सा (precision medicine) विकसित करना। यह हृदय रोग, मधुमेह, कैंसर, और अन्य आनुवंशिक बीमारियों के निदान और उपचार में मदद करेगा।

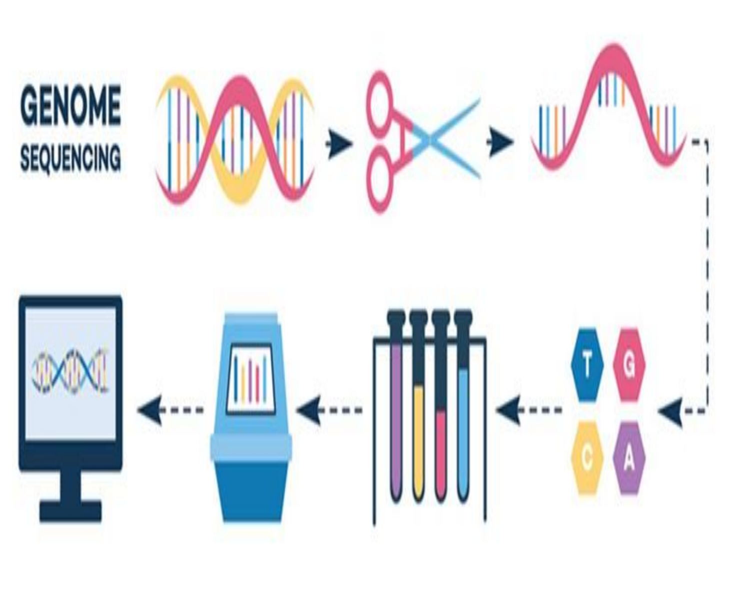

3. जैव प्रौद्योगिकी और शोध को बढ़ावा देना:

❖ भारत में आनुवंशिक अनुसंधान और नई दवाओं और उपचारों के विकास को बढ़ावा देना।

4. विकासवादी अध्ययन:

❖ इस प्रोजेक्ट से मानव विकास और भारत में रहने वाले विभिन्न समुदायों के विकास क्रम को समझने में मदद मिलेगी।

Result Mitra

❖ कार्यान्वयन:

- ❖ इस प्रोजेक्ट के तहत 10,000 से अधिक व्यक्तियों के जीनोम का अनुक्रमण किया जाएगा।
- ❖ डेटा को गुमनाम रखा जाएगा और इसे विश्लेषण के लिए उपयोग किया जाएगा।
- ❖ इसमें उच्च प्रदर्शन वाले कम्प्यूटर, जीनोम अनुक्रमण तकनीक, और बायोइन्फॉर्मेटिक्स का इस्तेमाल किया जाएगा।

❖ संभावित लाभ:

- ❖ भारत में आनुवंशिक रोगों के लिए सटीक और किफायती निदान।
- ❖ चिकित्सा शोध में भारत का योगदान बढ़ाना।
- ❖ जन स्वास्थ्य नीतियों में सुधार।

Result Mitra

❖ चुनौतियां:

1. इतनी विशाल आबादी में से प्रतिनिधि नमूने (representative samples) चुनना।
2. डेटा गोपनीयता और सुरक्षा सुनिश्चित करना।
3. परियोजना के लिए वित्तीय और तकनीकी संसाधनों की उपलब्धता।

❖ जीनोम इंडिया प्रोजेक्ट न केवल वैज्ञानिक दृष्टिकोण से बल्कि सामाजिक और आर्थिक दृष्टि से भी भारत के लिए एक महत्वपूर्ण पहल है।

Result Mitra
सुप्रीम कोर्ट ने दिया रिहाई का आदेश (जबकि राष्ट्रपति ने मौत की सजा को 60 साल की कैद में बदला था।)

Result Mitra

- सुप्रीम कोर्ट ने अपने एक पुराने निर्णय को बदलते हुए और साथ ही राष्ट्रपति के आदेश के परे जाकर एक दोषी को रिहा कर दिया है.

- यह निर्णय एक 30 साल पुराने मामले में दिया गया जिसमे तिहरे हत्याकांड केस के दोषी की रिहाई का आदेश सुप्रीम कोर्ट ने दिया

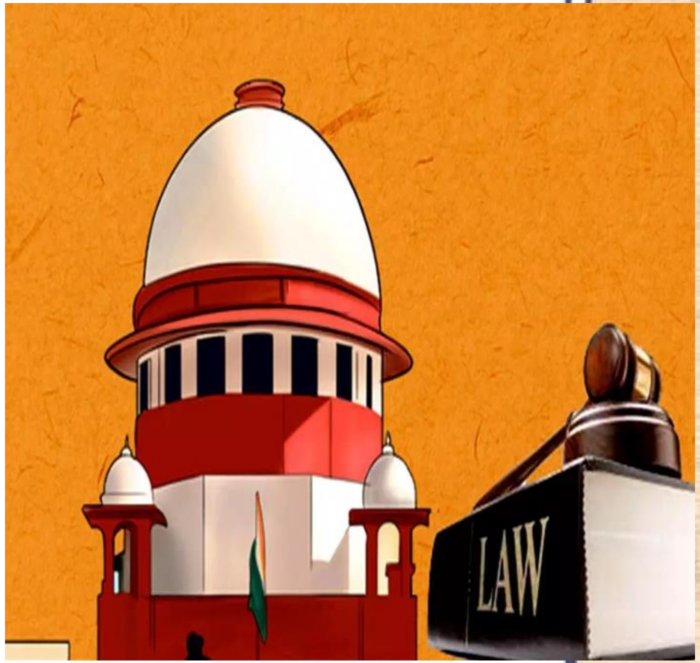

- **क्यों बदला निर्णय :–** सुप्रीम कोर्ट को पता चला की दोषी अपराध के समय सिर्फ 14 साल का था.

- **क्या था मामला :–** 15 नवंबर 1994 को देहरादून में सेना के एक अधिकारी (पूर्व) और उनके परिवार के 2 सदस्यों की हत्या हुई थी, नौकर ओम प्रकाश अदालत में दोषी साबित हुआ| वारदात की जघन्यता के कारण कोर्ट ने उसे फांसी की सज़ा दी|

❖ सुप्रीम कोर्ट ने भी उसकी रिव्यू और क्यूरेटिव याचिका खारिज की थी.

❖ राष्ट्रपति ने 2012 में दया याचिका पर आदेश देते हुए सजा को 60 साल की कैद में बदल दिया.

❖ भारतीय संविधान के अनुच्छेद 72 के तहत, राष्ट्रपति को क्षमादान (Pardon) देने की विशेष शक्ति प्रदान की गई है। यह शक्ति राष्ट्रपति को देश के किसी भी न्यायालय द्वारा दी गई सजा को माफ करने, कम करने, बदलने या निलंबित करने की अनुमति देती है। इसका उद्देश्य न्याय और दया के बीच संतुलन स्थापित करना है।

❖ राष्ट्रपति की क्षमादान शक्ति के विभिन्न रूप:

❖ 1. क्षमादान (Pardon): राष्ट्रपति पूरी सजा को माफ कर सकते हैं, जिससे दोषी व्यक्ति को निर्दोष मान लिया जाता है।

Result Mitra

- 2. सजा निलंबन (Suspension): सजा को कुछ समय के लिए स्थगित किया जा सकता है।
- 3. सजा घटाना (Commutation): सजा को किसी हल्की सजा में बदला जा सकता है, जैसे मृत्यु-दंड को आजीवन कारावास में बदलना।
- 4. सजा का परिहार (Remission): सजा की अवधि को कम किया जा सकता है।
- 5. सजा का स्थगन (Respite): किसी विशेष परिस्थिति में सजा को कम समय के लिए रोक दिया जाता है।

- राष्ट्रपति की क्षमादान शक्ति किन मामलों में लागू होती है?

1. उन अपराधों पर, जो केंद्र सरकार के अधिकार क्षेत्र में आते हैं।
2. मृत्यु-दंड के मामलों में।
3. उन अपराधों पर, जो सशस्त्र बलों के कानूनों के तहत आते हैं।

❖ महत्त्व:

❖ राष्ट्रपति की यह शक्ति न्यायालयों द्वारा दिए गए कठोर फैसलों में मानवीय दृष्टिकोण लाने में सहायक है।

❖ यह शक्ति न्यायिक गलतियों को सुधारने का एक माध्यम हो सकती है।

❖ सीमाएँ:

❖ यह कार्य पूरी तरह से राष्ट्रपति का विवेक नहीं होता, क्योंकि राष्ट्रपति अपने निर्णय में सरकार की सलाह पर निर्भर करते हैं।

❖ न्यायपालिका का नियंत्रण: सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसलों में कहा है कि क्षमादान शक्तियों का न्यायिक समीक्षा के तहत परीक्षण हो सकता है।

❖ राष्ट्रपति की क्षमादान शक्ति का उद्देश्य दंड प्रणाली को अधिक मानवीय और न्यायोचित बनाना है।

Result Mitra

Result Mitra
Supreme Court में समलैंगिक विवाह पर
दाखिल समीक्षा याचिकाएं खारिज

❖ यूपीएससी सिलेबस में LGBTQ से संबंधित विषय

1. सामान्य अध्ययन पेपर I (GS-I):

❖ भारतीय समाज में विविधता
❖ महिलाओं और अन्य कमजोर वर्गों की स्थिति
❖ सामाजिक सुधार आंदोलन और समावेशिता

2. सामान्य अध्ययन पेपर II (GS-II):

❖ शासन, संविधान और नीति निर्माण
❖ सुप्रीम कोर्ट के फैसले और उनका सामाजिक प्रभाव
❖ अधिकारों की रक्षा और कमजोर वर्गों के लिए नीतियां

3. सामान्य अध्ययन पेपर IV (GS-IV):

- ❖ नैतिकता और मानवीय मूल्यों के संदर्भ में समावेशिता
- ❖ भेदभाव, पूर्वाग्रह और समानता के मुद्दे

निबंध (Essay) में संभावित विषय

- ❖ 1. "भारतीय समाज में LGBTQ समुदाय के अधिकार और चुनौतियां"
- ❖ 2. "समावेशी विकास: LGBTQ अधिकारों का महत्व"
- ❖ 3. "भारतीय संविधान और LGBTQ अधिकारों की व्याख्या"
- ❖ 4. "समानता की ओर यात्रा: LGBTQ के अधिकार और सामाजिक स्वीकृति"

Result Mitra

- ❖ समलैंगिक जोड़ों को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी निराशा हाथ लगी है

- ❖ सुप्रीम कोर्ट की पांच जजों की पीठ समलैंगिक विवाह पर दाखिल समीक्षा याचिकाएं खारिज करते हुए इसे कानूनी मंजूरी देने से इनकार कर दिया।

- ❖ साथ ही सर्वोच्च न्यायालय ने पुनर्विचार याचिकाओं पर खुली अदालत में सुनवाई की मांग को भी ठुकरा दिया।

- ❖ सुप्रीम कोर्ट की पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने 17 अक्टूबर 2023 के फैसले पर पुनर्विचार से इनकार कर दिया और कहा कि :– उन्हें फैसले मे कोई भी कानूनी खामी नजर नहीं आती, इसलिए उस फैसले में दखल देने की कोई जरूरत नहीं है।

HINDI NEWS / NATIONAL

Supreme Court: समलैंगिक विवाह पर दाखिल समीक्षा याचिकाएं खारिज, सुप्रीम कोर्ट ने कानूनी मान्यता देने से किया मना

सुप्रीम कोर्ट की पांच जजों की पीठ समलैंगिक विवाह को कानूनी मंजूरी देने से इनकार कर दिया। साथ ही शीर्ष अदालत ने समलैंगिक विवाह को कानूनी मान्यता देने की मांग ठुकराने वाले फैसले के खिलाफ दाखिल सभी पुनर्विचार याचिकाएं खारिज कर दीं। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने पुनर्विचार याचिकाओं पर खुली अदालत में सुनवाई की मांग भी ठुकरा दी।

Source:– जागरण न्यूज

- **सुप्रीम कोर्ट ने सुनाया फैसला**
- ये फैसला 5 न्यायाधीशों की पीठ ने दिया। जिसने न्यायमूर्ति बीआर गवई, सूर्यकांत, बी.वी. नागरत्ना, पीएस नरसिम्हा और दीपांकर दत्ता शामिल थे ।
- पीठ ने 2023 के फैसले के खिलाफ दाखिल पुनर्विचार याचिकाएं खारिज करते हुए यह निर्णय दिया।
- **2023 का मामला :–** सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ ने दिए फैसले में समलैंगिक विवाह को कानूनी मान्यता देने की मांग ठुकरा दिया था और कहा था कि अदालत कानून नहीं बना सकती। अदालत सिर्फ कानून की व्याख्या कर सकती है।
- कानून बनाना विधायिका का काम है।

Result Mitra

- उस फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि विवाह का अधिकार मौलिक अधिकार नहीं है।

- हालांकि कोर्ट ने केंद्र सरकार को उच्च स्तरीय समिति गठित करने का आदेश दिया था जिससे समलैंगिक जोड़ों की रोजमर्रा की जिंदगी आसान और सुविधाजनक बनाई जा सके।

- शीर्ष अदालत ने यह भी कहा था कि समलैंगिक लोगों को साथ रहने का अधिकार है और उन्हें प्रताड़ित नहीं किया जाना चाहिए।

- एलजीबीटीक्यू (LGBTQ) का मतलब है लेस्बियन, गे, बाइसेक्शुअल, ट्रांसजेंडर और क्वीयर/क्वेश्चनिग। यह एक ऐसा शब्द है, जो उन लोगों का प्रतिनिधित्व करता है जो अपनी यौनिकता, लिग पहचान या लिग अभिव्यक्ति में पारंपरिक या सामाजिक मान्यताओं से अलग हैं।

❖ LGBTQ के तत्व:

1. लेस्बियन (Lesbian): वे महिलाएं जो अन्य महिलाओं की ओर रोमांटिक या यौन आकर्षण महसूस करती हैं।

2. गे (Gay): वे पुरुष जो अन्य पुरुषों की ओर रोमांटिक या यौन आकर्षण महसूस करते हैं। कभी-कभी इसे समलैंगिक महिलाओं के लिए भी इस्तेमाल किया जाता है।

3. बाइसेक्शुअल (Bisexual): वे लोग जो दो या अधिक लिंगों की ओर आकर्षित होते हैं।

4. ट्रांसजेंडर (Transgender): वे लोग जिनकी लिंग पहचान उनके जन्म के समय दिए गए लिंग से अलग होती है।

5. क्वीयर/क्वेश्चनिंग (Queer/Questioning): क्वीयर एक ऐसा व्यापक शब्द है, जो यौन और लिंग विविधता को शामिल करता है। क्वेश्चनिंग का मतलब है वे लोग जो अपनी यौनिकता या लिंग पहचान को लेकर अभी खोज कर रहे हैं।

Result Mitra

❖ LGBTQ+ में "+" + (प्लस):

❖ "+" उन अन्य यौनिक और लैंगिक पहचानों को दर्शाने के लिए है, जो LGBTQ के पारंपरिक दायरे में नहीं आतीं, जैसे:

❖ **पैनसेक्शुअल:** जो किसी भी लिग या लैंगिक पहचान के व्यक्ति से आकर्षित हो सकते हैं।

❖ **एसेक्शुअल:** जो यौन आकर्षण महसूस नहीं करते।

❖ **इंटरसेक्स:** जिनके शारीरिक गुण (जैसे जननांग) पुरुष और महिला दोनों लक्षणों को प्रदर्शित करते हैं।

❖ **नॉन-बाइनरी:** जो खुद को न तो पुरुष मानते हैं और न ही महिला।

❖ **जेंडरफ्लुइड:** जिनकी लैंगिक पहचान समय के साथ बदलती है।

Result Mitra

❖ LGBTQ समुदाय के मुद्दे:

1. **सामाजिक स्वीकृति:** कई जगहों पर LGBTQ समुदाय को भेदभाव और पूर्वाग्रह का सामना करना पड़ता है।

2. **कानूनी अधिकार:** कई देशों में LGBTQ व्यक्तियों को कानूनी अधिकार नहीं मिले हैं, जैसे विवाह का अधिकार या समान रोजगार के अवसर।

3. **मानसिक स्वास्थ्य:** सामाजिक दबाव और भेदभाव के कारण मानसिक स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है।

❖ हाल के वर्षों में LGBTQ अधिकारों और स्वीकृति में सुधार हुआ है, लेकिन यह अभी भी एक सतत प्रक्रिया है। समुदाय को समानता और सम्मान दिलाने के लिए जागरूकता और समर्थन महत्वपूर्ण है।

Result Mitra

❖ प्रासंगिकता (Relevance)

❖ 1. भारतीय संविधान और LGBTQ अधिकार:

❖ अनुच्छेद 14: समानता का अधिकार

❖ अनुच्छेद 15: भेदभाव के खिलाफ अधिकार

❖ अनुच्छेद 21: जीवन और स्वतंत्रता का अधिकार

❖ LGBTQ अधिकार भारतीय लोकतंत्र में मानवाधिकार और समावेशिता के प्रमुख उदाहरण हैं।

❖ 2. सुप्रीम कोर्ट के ऐतिहासिक फैसले:

❖ नाज़ फाउंडेशन केस (2009): दिल्ली हाईकोर्ट ने भारतीय दंड संहिता की धारा 377 को असंवैधानिक घोषित किया था।

- **नवतेज सिंह जौहर बनाम भारत संघ (2018):** सुप्रीम कोर्ट ने धारा 377 को आंशिक रूप से रद्द किया, जिससे समलैंगिकता को अपराध की श्रेणी से बाहर कर दिया।
- **नलसा बनाम भारत संघ (2014):** सुप्रीम कोर्ट ने ट्रांसजेंडर व्यक्तियों को "तीसरे लिंग" के रूप में मान्यता दी।

3. सरकारी पहल:

- ट्रांसजेंडर व्यक्ति (अधिकारों का संरक्षण) अधिनियम, 2019।
- समावेशी नीतियां जैसे कि शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार में LGBTQ समुदाय के लिए विशेष प्रावधान।

- संविधान पीठ भारतीय न्यायपालिका का एक महत्वपूर्ण प्रावधान है। यह भारतीय संविधान से जुड़े महत्वपूर्ण और जटिल संवैधानिक मुद्दों पर फैसला करने के लिए गठित की जाती है।

❖ संविधान पीठ के मुख्य बिदुः

1. गठन:

❖ भारतीय संविधान के अनुच्छेद 145(3) के तहत सुप्रीम कोर्ट में संविधान पीठ का गठन किया जाता है।

❖ इसमें कम से कम पांच न्यायाधीश होते हैं।

2. कार्य:

❖ संविधान की व्याख्या से जुड़े विवाद।

❖ मौलिक अधिकारों के उल्लंघन से संबंधित मामले।

❖ संविधान की वैधता और संवैधानिक संशोधन से जुड़े मुद्दे।

❖ दो संवैधानिक प्राधिकरणों (जैसे केंद्र और राज्य) के बीच विवाद।

Result Mitra

3. महत्वपूर्ण मामले:

- **केशवानंद भारती मामला (1973):** इसमें संविधान के बुनियादी ढांचे का सिद्धांत (Basic Structure Doctrine) निर्धारित किया गया।
- **गोलकनाथ बनाम पंजाब राज्य (1967):** इसमें मौलिक अधिकारों में संशोधन के अधिकार पर चर्चा हुई।
- **एस.आर. बोम्मई मामला (1994):** इसमें संघवाद और राष्ट्रपति शासन से जुड़े मुद्दों पर फैसला हुआ।

4. लोकतंत्र में भूमिका:

- संविधान पीठ न्यायपालिका की सर्वोच्चता और संविधान की पवित्रता को बनाए रखने में सहायक होती है।
- यह सुनिश्चित करती है कि सरकार संविधान के प्रावधानों का पालन करे और नागरिकों के अधिकार संरक्षित रहें।
- संविधान पीठ का उद्देश्य न्यायपालिका के माध्यम से संवैधानिक मूल्यों और लोकतंत्र की रक्षा करना है।

Result Mitra
प्रधानमंत्री
उज्ज्वला
योजना
प्रधानमंत्री
उज्ज्वला योजना
प्रधान मंत्री उज्ज्वला योजना(PMUY) की उपलब्धियां

- यूपीएससी परीक्षाओं में प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना से संबंधित सवाल निबंध, सामान्य अध्ययन (GS Paper 2 & 3), और राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक प्रभाव के विश्लेषण के रूप में आ सकते हैं।

- हाल ही में पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मन्त्रालय एक रिपोर्ट जारी की है जिसमें प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना से संबंधित नवीन तथ्यों को प्रदर्शित किया गया है

- इस योजना के तहत भारत में 2014 में LPG कनेक्शंस की संख्या 14.52 करोड़ थी जो अब दोगुनी से अधिक होकर 2024 में 32.83 करोड़ हो गई है।

- 32.83 करोड़ में से 10.33 करोड़ कनेक्शन उज्ज्वला योजना के तहत प्रदान किए गए हैं।

❖ PMUY, 2016 के बारे में

❖ प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (Pradhan Mantri Ujjwala Yojana) भारत सरकार द्वारा महिलाओं और उनके परिवारों के स्वास्थ्य और कल्याण को ध्यान में रखते हुए शुरू की गई एक महत्वपूर्ण योजना है।

❖ यह योजना खासकर यूपीएससी जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए अत्यधिक प्रासंगिक है क्योंकि यह सामाजिक न्याय, गरीबी उन्मूलन, और पर्यावरण संरक्षण जैसे विषयों को संबोधित करती है।

❖ योजना का परिचय

❖ **शुरुआत:** 1 मई 2016

❖ **लॉन्च:** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा बलिया, उत्तर प्रदेश में

❖ कार्यक्रम का उद्देश्य: गरीब परिवारों, विशेषकर ग्रामीण भारत की महिलाओं को स्वच्छ खाना पकाने के लिए एलपीजी कनेक्शन प्रदान करना।

❖ लक्षित समूह: बीपीएल (Below Poverty Line) परिवारों की महिलाएं।

❖ मुख्य उद्देश्य

1. स्वास्थ्य सुधार: लकड़ी, गोबर के कंडे, और कोयले जैसे पारंपरिक ईंधन से होने वाले धुएं और बीमारियों को रोकना।
2. पर्यावरण संरक्षण: स्वच्छ ऊर्जा का उपयोग बढ़ाकर वनों की कटाई और प्रदूषण को कम करना।
3. महिला सशक्तिकरण: महिलाओं का जीवन सरल और स्वास्थ्यप्रद बनाना।
4. गरीबी उन्मूलन: गरीब परिवारों को रसोई गैस तक पहुँच प्रदान करना।

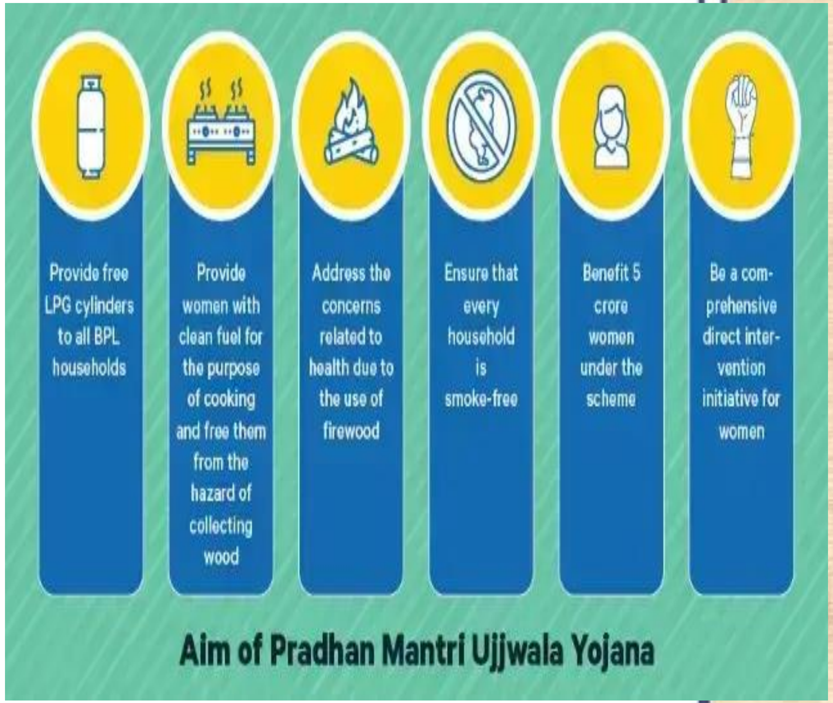

- ❖ मुख्य विशेषताएं
- ❖ 1. लाभार्थियों की पहचान: SECC (Socio-Economic and Caste Census) डेटा के आधार पर।
- ❖ 2. लाभ: पात्र परिवारों को प्रति कनेक्शन ₹1600 की वित्तीय सहायता।
- ❖ 3. मूल्य संवर्धन: गैस सिलेंडर और चूल्हा खरीदने के लिए आसान किस्त योजना।
- ❖ 4. लक्षित संख्या: पहले चरण में 5 करोड़ परिवार (2019 तक बढ़ाकर 8 करोड़ कर दिया गया)।
- ❖ 5. दूसरा चरण (2021): अतिरिक्त 1 करोड़ लाभार्थियों को शामिल करना और प्रवासी श्रमिकों के लिए आवेदन प्रक्रिया को सरल बनाना।

- ❖ ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छ ईंधन के उपयोग में वृद्धि।

❖ चुनौतियां

1. **रीफिलिग की समस्या:** गरीब परिवार सिलेंडर भरवाने की लागत नहीं उठा पाते।

2. **सामाजिक जागरूकता की कमी:** ग्रामीण इलाकों में स्वच्छ ईंधन के लाभों के बारे में जागरूकता का अभाव।

3. **लॉजिस्टिक समस्याएं:** दूरदराज के क्षेत्रों में सिलेंडर की आपूर्ति सुनिश्चित करना।

Result Mitra

Result Mitra

❖ महत्व यूपीएससी के लिए

1. **सामाजिक न्याय:** गरीबों और महिलाओं की स्थिति सुधारने का एक प्रभावी प्रयास।
2. **आर्थिक और पर्यावरणीय पहलू:** यह योजना स्वच्छ ऊर्जा के उपयोग और पर्यावरणीय स्थिरता के लिए महत्वपूर्ण है।
3. **सरकारी नीतियां और कार्यक्रम:** सरकारी प्रयासों और उनके प्रभाव का अध्ययन।
4. **मिशन 2025:** ऊर्जा सुरक्षा और विकास के संदर्भ में।

THANK YOU

Result Mitra

@resultmitra / 8650457000

@resultmitra

@resultmitra

Result Mitra

LIKE & SHARE

PDF

+ SUBSCRIBE